AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

बदलाव | अब तक भाषा, दर्शन, साहित्य जैसे विषयों में ही विदेशी छात्रों की दिखती थी रुचि, पहली बार पहुंचे शिल्पकला संकाय

भारतीय कला व संस्कृति में बढ़ रहा विदेशी छात्रों का रुझान

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। जी-20 शिखर सम्मेलन में एक तरफ भारतीय संस्कृति की धूम मची हुई है, तो ऐसी ही एक तस्वीर लखनऊ विश्वविद्यालय में भी दिख रही है। यहां आने वाले विदेशी विद्यार्थी प्राचीन भारतीय कला में खास रुचि ले रहे हैं। इस साल पहली बार एक के बाद एक 10 से ज्यादा विदेशी विद्यार्थियों ने शिल्पकला संकाय में दाखिला लिया है।

लविवि में साल दर साल विदेशी विद्यार्थियों की संख्या बढ़ रही है। भारतीय सांस्कृतिक एवं संबंध परिषद के माध्यम से आने वाले इन विद्यार्थियों को सुपर न्यूमेरिक सीट पर दाखिला दिया जाता है। अब तक विदेशी विद्यार्थी भाषा, दर्शन, साहित्य जैसे विषयों में दाखिले ले रहे थे। इस साल विदेशी विद्यार्थियों ने शिल्पकला के विषयों में दाखिला लेना शुरू किया है। विदेशी विद्यार्थी इनमें पढ़ाई करके यहां की कला को समझना चाहते हैं।

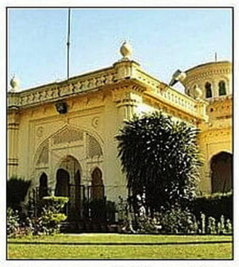

छात्र बोले-कला में समृद्ध है भारत

- लविवि का शिल्पकला महाविद्यालय देश के सबसे पुराने शिल्पकला महाविद्यालयों में से एक है। चित्रकला में दाखिला लेने वाले बांग्लादेश के विद्यार्थी दीपोतो रे जिनके पिता मशहूर चित्रकार रहे हैं, उनके अनुसार कला के हिसाब से भारत काफी संपन्न देश है। इसलिए वह यहां आकर प्राचीन कला को समझना चाहते थे। इसी तरह श्रीलंका से आए एनएच चंद्रा के अनुसार भारतीय कला और संस्कृति को लेकर उनके देश में काफी उत्सुकता है। इसी के तहत वो यहां पहुंचे हैं।

शिल्पकला महाविद्यालय की डिजाइन स्कूल के रूप में हुई थी शुरुआत

शिल्पकला महाविद्यालय के रूप में भले ही इसकी शुरुआत वर्ष 1911 में हुई हो, लेकिन इसका इतिहास इससे कहीं पुरानी है। असल में औद्योगिक डिजाइन स्कूल के रूप में 1 नवंबर 1892 को इसकी शुरुआत अमीनाबाद में हुई थी। इसे ही वर्ष 1911 में शिल्पकला महाविद्यालय का दर्जा मिला। नाथनियल हर्ड इसके पहले प्रिंसिपल थे। 1917 में स्कूल का नाम बदलकर गवर्नमेंट कॉलेज स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स कर दिया गया। 1925 में भारतीय चित्रकला विद्यालय को पाठ्यक्रम में लाया गया और 1963 में ग्राफिक कला पाठ्यक्रम शुरू किया गया। इस समय यह लविवि के संघटक कॉलेज के साथ ही फैकल्टी ऑफ फाइन आर्ट्स के रूप में काम कर रहा है।

प्राचीनता लुभा रही

लखनऊ के शिल्पकला महाविद्यालय में अभी प्राचीन भारत की मूर्तिकला, चित्रकारी आदि का पठन-पाठन होता है। वहीं, अन्य कला महाविद्यालयों ने आधुनिक कलाओं को अपने सिलेबस में शामिल किया है। शायद इसी से खिंचकर विदेशी विद्यार्थी यहां आ रहे हैं।

-डॉ. संजीव किशोर गौतम, विभागाध्यक्ष, फाइन आर्ट्स, शिल्पकला महाविद्यालय

HINDUSTAN PAGE 8

पीएचडी के नए आर्डिनेंस में शोधार्थियों को मिलेंगे सुपरवाइजर

लखनऊ, कार्यालय संवाददता। लखनऊ विश्वविद्यालय शोधा छात्रों को अब शुरू से सुपरवाइजर दिलाने की तैयारी कर रहा है। जिसके लिए लखनऊ विश्वविद्यालय, 2023 के पीएचडी ऑर्डिनेंस तैयार किया जा रहा है।

- शोध छात्रों को अब उनके अनुसंधान कार्य करने में देरी नहीं होगी
- सभी विभागों के छात्रों और फैकल्टी के साथ संवाद कर तैयारी की जाएगी

छह माह बाद होता था ऑर्डिनेंसों का आवंटन: एलयू कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने बताया कि विश्वविद्यालय के के पिछले पीएचडी ऑर्डिनेंसों में सुपरवाइजर का आवंटन लगभग छह महीने के बाद होता था। मतलब जब छात्र अपने प्री पीएचडी कोर्स को पूरा कर लेते और उसका मूल्यांकन हो जाता था। उन्होंने कहा कि शोध छात्रों के साथ बातचीत और संकाय के साथ हुई वार्तालाप में यह प्रतिक्रिया मिली कि बाद में सुपरवाइजर के आवंटन से उनके अनुसंधान काम की शुरुआत में देरी हो जाती है और छात्र के लिए अस्पष्टता और अनिश्चितता जैसी स्थिति बन जाती है। शोध छात्रों की इस समस्या को देखते हुए हमने इस पर विस्तार से चर्चा की। जिसके बाद 2023 में नए पीएचडी आर्डिनेंस की तैयारी की गई। जिसमें पीएचडी में प्रवेश करने वाले छात्रों को प्रारंभ में ही सुपरवाइजर के आवंटन का प्रावधान किया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के सभी विभागों छात्रों और फैकल्टी के साथ संवाद कर इसकी तैयारी की जाएगी।

डॉक्टरोल विषय पर काम की जल्द मिलेगी अनुमति: प्रो. गीतांजलि मिश्रा बताया कि इस पहल से छात्रों को उनके डॉक्टोरल विषय पर काम करने की जल्द ही अनुमति मिलेगी। जिससे उन्हें जल्दी सबमिशन में मदद मिलेगी और ज्यादा समय मिलने के कारण गुणवत्ता को भी बढ़ावा मिलेगा। प्री पीएचडी कोर्स, सामान्यतः दिन के सिर्फ कुछ घंटों में ही सीमित रहता है। इस पहल से छात्र के समय प्रबंधन बेहतर होगा और पीएचडी की एक तनावमुक्त शुरुआत होगी।

पीजी पाठ्यक्रम में शोध को बढ़ावा

कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बताया कि छात्रों के पक्ष में इस पहल के अलावा, लखनऊ यूनिवर्सिटी नए पी एच डी ऑर्डिनेंस के ड्राफ्ट में अपने सम्बद्ध कॉलेजों में संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम चलाते हैं। उनमें अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाएगा। ये नए आर्डिनेंस में प्रस्तावित है। इसके साथ ही कॉलेजों के शिक्षकों को भी अनुसंधान के अवसर प्रदान करने के प्रति समर्पित हैं।

रूस में भारत का ध्वज फहराएंगी भाविनी

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ की बेटी भाविनी बहुगुणा इस महीने रूस के सेंट पीट्सबर्ग में भारत का ध्वज फहराएंगी। एनसीसी कैडेट भाविनी को यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत चुना गया है। इस समय भाविनी लखनऊ विश्वविद्यालय से बीकॉम ऑनर्स की पढ़ाई कर रही हैं। 23 सितंबर से 4 अक्तूबर के बीच 10 दिनों के रूस दौरे पर भाविनी भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली युवा राजदूत के रूप में काम करेंगी, जिससे दोनों देशों के बीच समृद्ध सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा।

भाविनी।

भाविनी ने बताया कि उनका मकसद सेना में जाना है। इसीलिए एनसीसी जॉइन की है। गणतंत्र दिवस शिविर 2023 में भागीदारी के दौरान यूथ एक्सचेंज प्रतियोगिताओं के आधार पर उनका चयन हुआ है। 63 यूपी बीएन एनसीसी की सीनियर अंडर ऑफिसर कैडेट भाविनी बहुगुणा की उपलब्धि पर लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने उन्हें शुभकामनाएं दीं हैं। कर्नल हर्ष कुमार झा, एसएम (कमांडिंग ऑफिसर, 63 यूपी बीएन) और लेफ्टिनेंट कर्नल राकेश तिवारी (प्रशासनिक अधिकारी, 63 यूपी बीएन), एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर (एएनओ) मेजर किरन लता डंगवाल ने भी भाविनी की इस उपलब्धि पर खुशी जताई है।

यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत 10 दिनों के दौरे पर जाएंगी लविवि की एनसीसी कैडेट

इटली में शोध कार्य प्रस्तुत करेंगे अभिषेक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग में कार्यरत शोध विद्यार्थी अभिषेक कुमार मधेसिया इटली में शोध कार्य प्रस्तुत करेंगे। इटली के बवेनो में 10 से 15 सितंबर के बीच यह अंतरराष्ट्रीय आयोजन होना है। लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि अभिषेक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित हटन संगोष्ठी में अपने डॉक्टरेट कार्य के कुछ हिस्सों को प्रस्तुत करने जा रहे हैं। इसका विषय- '2.5 अरब साल पुराने हाइड्रोस बुंदेलखण्ड ग्रैनिटॉइड (भारत) के मैग्मैटिक-हाइड्रोथर्मल क्रिस्टलीकरण में क्रस्ट-मेंटल व्युत्पन्न जलीय तरल पदार्थ की भूमिका'। (माई सिटी रिपोर्टर)

पीएचडी : दाखिले के साथ ही मिलेंगे गाइड

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के नए पीएचडी आर्डिनेंस में अब दाखिले के साथ ही विद्यार्थी को पीएचडी गाइड आवंटित हो जाएगा। अभी तक पीएचडी गाइड कोर्स वर्क पूरा होने के बाद आवंटित होता था। इसकी वजह से शोध कार्य छह महीने बाद ही शुरू हो पाता था।

लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि प्रस्तावित पीएचडी आर्डिनेंस पर जल्द मुहर लगने वाली है। डीन एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि इस पहल से छात्रों को उनके डॉक्टोरल विषय पर काम करने की जल्द ही अनुमति मिलेगी, जिससे उन्हें जल्दी सबमिशन में मदद मिलेगी और ज्यादा समय मिलने के कारण गुणवत्ता को भी बढ़ावा मिलेगा।

तीन पाठ्यक्रमों की दूसरी आवंटन सूची जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने एलएलबी, एलएलएम और एमबीए-एमटीटीएम में दाखिले के लिए दूसरी आवंटन सूची जारी रविवार दोपहर दो बजे जारी कर दी। अभ्यर्थी अपनी लॉगइन में आवंटन देख सकते हैं। चयनित अभ्यर्थियों को 12 सितंबर रात 12 बजे तक फीस जमा करनी होगी। निर्धारित अवधि में फीस जमा न करने पर सीट पर दावा नहीं रहेगा और अगले राउंड में सीट अन्य अभ्यर्थी को आवंटित कर दी जाएगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 6

LU : LLM, LLB समेत चार कोर्सों में दूसरी अलॉटमेंट लिस्ट जारी

■एनबीटी सं, लखनऊ : एलयू में रविवार को एलएलएम, एलएलबी समेत एमबीए/एमटीटीएम में दूसरी अलॉटमेंट लिस्ट जारी कर दी गई है। एलयू प्रवक्ता डॉ.दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि पहली अलॉटमेंट लिस्ट के बाद इन सभी कोर्सों में शेष बची हुई सीटों के आधार पर दूसरी अलॉटमेंट लिस्ट घोषित की गई है। अभ्यर्थी पूर्व में मिले लॉगइन आईडी की मदद से एलयू की वेबसाइट पर अपना अलॉटमेंट देख सकते हैं। लिस्ट में जिन अभ्यर्थियों का नाम आया है, वह 12 सितंबर की रात 12 बजे तक फीस जमा कर सकते हैं। किसी भी तरह की समस्या पर प्रवेश समंव्यक प्रो.पंकज माथुर से संपर्क किया जा सकता है।

अध्ययन: पसंद आ रहे पाकिस्तानी सीरियल

■एनबीटी सं, लखनऊ : एलयू के समाजशास्त्र विभाग के परास्नातक छात्र अमन वर्मा ने 'पाकिस्तानी धारावाहिकों, नाटकों और शो की बढ़ती लोकप्रियता' विषय पर अपने प्रॉजेक्ट में अध्ययन किया है। विभाग के शिक्षक डॉ.पवन मिश्रा ने बताया कि अमन ने शहर के कई इलाकों में स्नोबॉल सैंपलिंग से फरवरी से अप्रैल के बीच 227 लोगों पर यह अध्ययन किया है। इनमें 107 लोगों ने जवाब दिया कि वह रेगुलर पाकिस्तानी सीरियल देखते हैं।

इटली में शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे अभिषेक

■एनबीटी सं, लखनऊ : एलयू के भूविज्ञान विभाग से शोध कर रहे रिसर्च स्कॉलर अभिषेक कुमार मधेसिया इटली में अपना शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। एलयू प्रवक्ता डॉ.दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि 15 सितंबर तक इटली के बवेनो में होने वाली प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय हटन संगोष्ठी में अभिषेक अपने शोध पत्र पर चर्चा करेंगे। शोध पत्र प्रो. एस सेन शर्मा के साथ तैयार किया है।

इटली में शोध पेश करेंगे एलयू के अभिषेक

लखनऊ। एलयू के भूविज्ञान विभाग में कार्यरत शोध विद्यार्थी अभिषेक मधेसिया 10-15 सितंबर को इटली में हो रही संगोष्ठी में अपना डॉक्टरेट कार्य प्रस्तुत करेंगे। अभिषेक ने हाइड्रोस बुंदेलखण्ड ग्रैनिटॉइड (भारत) के मैग्मैटिक-हाइड्रोथर्मल क्रिस्टलीकरण में शोध किया है।

एलयू की भाविनी रूस में करेंगी भारत का प्रतिनिधित्व

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में 63 यूपी बीएन एनसीसी की सीनियर अंडर ऑफिसर कैडेट भाविनी बहुगुणा का रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। भाविनी को यूपी निदेशालय का प्रतिनिधित्व करते हुए 2023-24 के लिए यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के लिए चुना गया है।

SWATANTRA BHARAT PAGE 5

अब लविवि में शुरुआत से ही मिलेंगे पीएचडी सुपरवाइजर

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का प्रस्तावित नया प्री पीएचडी ऑर्डिनेंस डॉक्टोरल छात्रों को प्रारंभ में ही सुपरवाइजर दिलाने के लिए लविवि 2023 के पीएचडी ऑर्डिनेंस की तैयारी कर रहा है। इस प्रक्रिया में विवि छात्र के पक्ष में प्रक्रिया का सरलीकरण करने और संबंधित कॉलेजों की अनुसंधान गुणवत्ता को मजबूत करने के लिए विशेष ध्यान दे रही है। लविवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बताया कि यूनिवर्सिटी के पिछले पीएचडी ऑर्डिनेंसों में सुपरवाइजर का आवंटन लगभग छह महीने के बाद होता था। यानी जब छात्र अपने प्री पीएचडी कोर्स को पूरा कर लेते और उसका मूल्यांकन हो जाता था। मेरे डॉक्टोरल छात्रों के साथ हुई वार्तालाप में और अन्य संकाय के साथ हुई बातचीतों में हमें यह प्रतिक्रिया मिली कि बाद में सुपरवाइजर के आवंटन से उनके अनुसंधान काम की शुरुआत में देरी हो जाती है और छात्र के लिए अस्पष्टता और अनिश्चितता का माहौल पैदा हो जाता है। हमने इसलिए विस्तार से चर्चा करके इस समस्या का समाधान प्राप्त किया। नए पीएचडी ऑर्डिनेंस में हमारे डॉक्टोरल कार्यक्रम में प्रवेश करने वाले छात्रों को प्रारंभ में ही सुपरवाइजर के आवंटन का प्रावधान है। इसे यूनिवर्सिटी विभाग में छात्रों और फैकल्टी के बीच की एक इंटरएक्शन के माध्यम से सुनिश्चित किया जाएगा,जिसका तरीका हम लोग अभी निश्चित करने जा रहे हैं। प्रोफेसर गीतांजलि मिश्रा, डीन एकैडेमिक्स ने बताया कि इस पहल से छात्रों को उनके डॉक्टोरल विषय पर काम करने की जल्द ही अनुमति मिलेगी। जिससे उन्हें जल्दी सबमिशन में मदद मिलेगी और ज्यादा समय मिलने के कारण गुणवत्ता को भी बढ़ावा मिलेगा। प्री पीएचडी कोर्स, सामान्यत दिन के सिर्फ कुछ घंटों में ही सीमित रहता है। इस पहल से छात्र के समय प्रबंधन बेहतर होगा और पीएचडी की एक तनावमुक्त शुरुआत होगी। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बताया कि छात्रों के पक्ष में इस पहल के अलावा, लखनऊ यूनिवर्सिटी नए पीएचडी ऑर्डिनेंस के ड्राफ्ट में अपने संबंधित कॉलेजों में संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम चलाते हैं, उनमे अनुसंधान को निरंतर मजबूत करना प्रस्तावित कर रही है। हम अपने संबंधित कॉलेजों में हमारे सहकर्मी शिक्षकों को भी अनुसंधान के अवसर प्रदान करने के प्रति समर्पित हैं, जैसा कि हम पहले भी

JAGRAN CITY PAGE III

कैडेट भाविनी करेंगी रूस में भारत का प्रतिनिधित्व

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में 63 यूपी बीएन एनसीसी की कैडेट भाविनी बहुगुणा को सेंट पीटर्सबर्ग (रूस) में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है। आगामी 23 सितंबर से चार अक्टूबर तक वह रूस यात्रा के दौरान भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली युवा राजदूत के रूप में काम करेंगी, जिससे दोनों देशों के बीच समृद्ध सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा। उनकी उपलब्धि पर कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने शुभकामनाएं दीं। (जासं)

भाविनी बहुगुणा • सौ. लवि

शोध कार्य प्रस्तुत करेंगे छात्र अभिषेक मधेसिया

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग के शोध छात्र अभिषेक कुमार मधेसिया 10 से 15 सितंबर तक बवेनो (इटली) में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय हटन संगोष्ठी में अपने शोध कार्य को प्रस्तुत करेंगे। प्रस्तुतीकरण का विषय '2.5 अरब साल पुराने हाइड्रोस बुंदेलखंड ग्रैनिटाइड (भारत) के मैग्मैटिक-हाइड्रोथर्मल क्रिस्टलीकरण में क्रस्ट-मेंटल व्युत्पन्न जलीय तरल पदार्थ की भूमिका' है। इसके लेखक अभिषेक कुमार मधेसिया और प्रो. एस सेन

अभिषेक कुमार मधेसिया • सौ. लवि

बीटेक में 480 सीटें, 2600 से ज्यादा दावेदार

लखनऊ विश्वविद्यालय में कल जारी होगी बीटेक की कटआफ 13 से काउंसिलिंग

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय पहली बार डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के बिना मेरिट के आधार पर बीटेक, बीफार्मा व एमसीए पाठ्यक्रम में दाखिले लेगा। ऐसे में लवि ने इनमें प्रवेश के लिए सीटों के सापेक्ष कई गुणा आवेदन आए हैं। बीटेक की 480 सीटों पर 2600 अभ्यर्थियों ने दावेदारी की है। वहीं, बीफार्मा में 100 सीटों पर 300 तो एमसीए की 30 सीटों के सापेक्ष करीब 145 आवेदन आए हैं। अब 12 को कटआफ जारी कर 13 सितंबर से आफलाइन काउंसिलिंग शुरू की जाएगी।

अभी तक लवि बीटेक, बीफार्मा व एमसीए पाठ्यक्रम में एकेटीयू की काउंसिलिंग से प्रवेश लेता था। सीटें बचने पर अपने स्तर से मेरिट के अनुसार भी प्रवेश दिए जाने का प्रविधान भी है, लेकिन इस बार सुप्रीम कोर्ट से देर तक जब एकेटीयू को राहत नहीं मिली तो लवि ने खुद ही अपने प्रवेश लेने का निर्णय लेते हुए एक से सात सितंबर तक इन कोर्सों में आवेदन ले लिए।

बीटेक की 50 प्रतिशत सीटें एकेटीयू से भरी जाएंगी : डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय पूर्व की भांति अपनी बीटेक की 50 प्रतिशत सीटें एकेटीयू की काउंसिलिंग से ही भरेगा।

इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के निदेशक प्रोफेसर सीके दीक्षित ने बताया कि विवि स्तर पर बीटेक में पांच सीटें इलेक्ट्रानिक्स, 15 सीटें इलेक्ट्रिकल, 15 सिविल और 20 सीटें मैकेनिकल की बची हैं। जल्द ही आनलाइन आवेदन लिए जाएंगे। बीटेक की 50 प्रतिशत सीटों पर प्रवेश एकेटीयू की काउंसिलिंग से होंगे।

रात में जारी हुआ दूसरा सीट आवंटन : लखनऊ विश्वविद्यालय ने एलएलएम, एलएलबी (तीन वर्षीय) और एमबीए/एमटीटीएम पाठ्यक्रम में खाली सीटों के सापेक्ष दूसरा सीट आवंटन रविवार रात नौ बजे जारी किया। हालांकि इसे दोपहर दो बजे के बाद जारी किया जाना था लेकिन तकनीकी दिक्कत की वजह से समय लग गया।

सीट आवंटन का परिणाम अभ्यर्थी अपनी लागिन पर देख सकते हैं। प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर पंकज माथुर की ओर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार जिन अभ्यर्थियों को सीट आवंटित हो गई है, उन्हें 12 सितंबर को रात 12 बजे तक फीस जमा करने का मौका दिया गया है।

लवि में बीटेक की सीटों के सापेक्ष काफी आवेदन आए हैं।12 सितंबर को रोबसाइट पर कटआफ जारी कर 13 से 17 सितंबर तक द्वितीय परिसर में आफलाइन काउंसिलिंग होगी।

प्रोफेसर एके सिंह, डीन, इंजीनियरिंग संकाय, लविवि

पीएचडी में प्रवेश लेते ही शोध छात्रों को आवंटित होंगे सुपरवाइजर

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में अब पीएचडी पाठ्यक्रम में दाखिला लेने वाले छात्र-छात्राओं को शुरुआत में ही सुपरवाइजर आवंटित कर दिए जाएंगे। नए पीएचडी अध्यादेश में इसका प्रविधान किया गया है।

कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बताया कि विश्वविद्यालय के पिछले पीएचडी अध्यादेशों के अनुसार सुपरवाइजर का आवंटन छह माह बाद होता था। यानी जब शोधार्थी अपने प्री पीएचडी कोर्स को पूरा कर लेते व मूल्यांकन हो जाता था। इसको लेकर पीएचडी विद्यार्थियों के साथ हुई वार्ता और अन्य संकाय के सथ बातचीत में पता चला कि बाद में सुपरवाइजर के आवंटन से उनके अनुसंधान काम की शुरुआत में देरी हो जाती है।

साथ ही छात्र के लिए अस्पष्टता और अनिश्चितता का माहौल पैदा हो जाता है। इसलिए समाधान निकाला गया। अब नए पीएचडी अध्यादेश के अनुसार पीएचडी में प्रवेश करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रारंभ में ही सुपरवाइजर का आवंटन किया जाएगा। इसे लखनऊ विश्वविद्यालय विभाग में छात्रों और फैकल्टी के बीच की एक इंटरएक्शन के माध्यम से सुनिश्चित किया जाएगा। इससे छात्रों को लाभा मिलेगा।

जल्द मिलेगी अनुमति : डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि इस पहल से छात्रों को उनके पीएचडी विषय पर काम करने की जल्द ही अनुमति मिलेगी। साथ ही जमा करने में मदद मिलेगी। ज्यादा समय मिलने के कारण गुणवत्ता को भी बढ़ावा मिलेगा। प्री पीएचडी कोर्स सामान्यतः दिन के सिर्फ कुछ घंटों में ही सीमित रहता है। इस पहल से लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों के समय प्रबंधन बेहतर होगा और पीएचडी की एक तनावमुक्त शुरुआत होगी। इसका लाभ छात्रों को मिले

लवि : डुअल और संयुक्त डिग्री अध्यादेश पर होगा निर्णय

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में 12 सितंबर को कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में एकेडमिक काउंसिल की बैठक होगी। इसमें ट्विनिंग डिग्री, डुअल डिग्री व संयुक्त डिग्री के अध्यादेश पर निर्णय होगा। पीएचडी व चार वर्षीय स्नातक अध्यादेश-2023 अनुमोदन को रखा जाएगा।

दरअसल, लवि ने यूजीसी के निर्देश के अनुसार पीएचडी और स्नातक अध्यादेश तैयार किया है। अब चार साल का स्नातक करने पर आनर्स विद रिसर्च की डिग्री मिलेगी। इसमें छात्र-छात्राओं को कई सुविधाएं मिलेंगी। विशेषज्ञों की टीम ने दोनों अध्यादेश को तैयार कर लिया है, जिसे अनुमोदन के लिए रखा जाएगा। इंटरनेशनल सेल की ओर से इंटरनेशनल फैकल्टी एंड स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के प्रस्ताव पर चर्चा होगी। इंजीनियरिंग संकाय की ओर से बैठक में नई शिक्षा नीति लागू किए जाने का प्रस्ताव भी अनुमोदन के लिए रखा जाएगा।

डा. पियूष चटर्जी को विजिटिंग रिसर्चर बनाने का प्रस्ताव : कंकार्डिया यूनिवर्सिटी इन मोंट्रियल कनाडा में कैआर्डिनेटर एवं कम्युनिटी फैसिलिटेटर फार ओरल हैल्थ एंड डिजिटल स्टोरेटेलिंग डा. पियूष चटर्जी को लखनऊ विश्वविद्यालय में दो से चार माह तक विजिटिंग रिसर्चर के रूप में सेवा लेने का प्रस्ताव भी बैठक में रखा जाएगा। वहीं, विज्ञान संकाय के नए को-करिकुलर कोर्स को मंजूरी सहित कई प्रस्ताव पर चर्चा होगी।

बीपीएड में अभिलेख सत्यापन कल

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीपीएड प्रथम सेमेस्टर में दाखिले के लिए अभिलेख सत्यापन की तिथि 12 सितंबर निर्धारित की है। अभ्यर्थियों को शारीरिक शिक्षा विभाग में अभिलेखों के साथ सुबह 11 बजे पहुंचना होगा। अभिलेखों में मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र अनिवार्य है। (जासं)

एमएससी केमिस्ट्री की कक्षाएं आज से

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने एमएससी केमिस्ट्री व फिजिक्स प्रथम सेमेस्टर की कक्षाओं की तिथि तय कर दी। केमिस्ट्री की कक्षाएं 11 सितंबर से शुरू होंगी। छात्र-छात्राओं का ओरिएंटेशन सत्र उसी दिन दोपहर 12.30 बजे से कमरा नंबर एस-102 में होगा। वहीं, एमएससी फिजिक्स प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं 13 सितंबर से शुरू होंगी। (जासं)

PIONEER PAGE 4

एनसीसी कैडेट भाविनी बहुगुणा रूस में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चयनित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय में 63 यूपी बीएन एनसीसी की सीनियर अंडर ऑफिसर कैडेट भाविनी बहुगुणा का रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करने हेतु चयन हुआ है। उन्हें उत्तर प्रदेश निदेशालय का प्रतिनिधित्व करते हुए 2023.24 के लिए यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में भाग लेने के लिए चुना गया है। इस प्रतिष्ठित अवसर की उनकी यात्रा गणतंत्र दिवस शिविर 2023 में उनकी भागीदारी के दौरान शुरू हुई, जहां उन्होंने ऐप प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और अपना स्थान सुरक्षित किया। उनकी उपलब्धि को लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय का आशीर्वाद और समर्थन मिला है। उन्होंने इसके लिए भाविनी बहुगुणा को बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। 23 सितंबर से 4 अक्टूबर 2023 तक कैडेट भाविनी बहुगुणा अपनी रूस यात्रा के दौरान भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली युवा राजदूत के रूप में काम करेंगी, जिससे दोनों देशों के बीच समृद्ध सांस्कृतिक आदान.प्रदान को बढ़ावा मिलेगा।

लविवि के शोध छात्र अभिषेक इटली में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी को करेंगे संबोधित

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग में कार्यरत शोध विद्यार्थी अभिषेक कुमार मधेसिया, 10-15 सितंबर को बवेनो इटली में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित हटन संगोष्ठी में अपने डॉक्टरेट कार्य के कुछ हिस्सों को प्रस्तुत करने जा रहे हैं। प्रस्तुतिकरण का विषय है 2.5 अरब साल पुराने हाइड्रोस बुंदेलखण्ड ग्रैनिटॉइड, भारत के मैग्मैटिक-हाइड्रोथर्मल क्रिस्टलीकरण में क्रस्ट-मेंटल व्युत्पन्न जलीय श्वतरल पदार्थ की भूमिका जिसके लेखक अभिषेक कुमार मधेसिया और प्रो. एस. सेनशर्मा हैं। यह कार्य भूविज्ञान विभाग,लविवि में पीएचडी सुपरवाइजर प्रो. एस. सेनशर्मा के साथ किया गया था। इस बारे में अभिषेक ने बताया कि वह आयोजकों (प्रो.पीटर उल्मर, ईटीएच ज्यूरिच, स्विट्जरलैंड) और एसईआरबी अंतरराष्ट्रीय यात्रा अनुदान, भारत के सहयोग के लिए कृतज्ञ हैं।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी भाविनी बहुगुणा

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। 63 यूपी बीएन एनसीसी लखनऊ विश्वविद्यालय की कैडेट भाविनी बहुगुणा को सेंट पीटर्सबर्ग रूस में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया। लखनऊ विश्वविद्यालय में 63 यूपी बीएन एनसीसी की सीनियर अंडर ऑफिसर कैडेट भाविनी बहुगुणा का रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करने हेतु चयन हुआ है। उन्हें उत्तर प्रदेश निदेशालय का प्रतिनिधित्व करते हुए 2023-24 के लिए यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में भाग लेने के लिए चुना गया है। इस प्रतिष्ठित अवसर की उनकी यात्रा गणतंत्र दिवस शिविर 2023 में उनकी भागीदारी के दौरान शुरू हुई, जहां उन्होंने प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और अपना स्थान सुरक्षित किया। उनकी उपलब्धि को लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय का आशीर्वाद और समर्थन मिला है। उन्होंने इसके लिए भाविनी बहुगुणा को बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। इसके अतिरिक्त उन्हें कर्नल हर्ष कुमार झा एसएम कमांडिंग ऑफिसरए 63 यूपी बीएन और लेफ्टिनेंट कर्नल राकेश तिवारी प्रशासनिक अधिकारी 63 यूपी बीएन के अमूल्य मार्गदर्शन से लाभ हुआ है। कैडेट भाविनी एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर ; मेजर किरन लता डंगवाल के संरक्षण में हैं, जो उन्हें लगातार प्रेरित और प्रोत्साहित करती हैं। 23 सितंबर से 4 अक्टूबर तक कैडेट भाविनी बहुगुणा अपनी रूस यात्रा के दौरान भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली युवा राजदूत के रूप में काम करेंगी, जिससे दोनों देशों के बीच समृद्ध सांस्कृतिक आदान.प्रदान को बढ़ावा मिलेगा।

TOI PAGE 3

Scholar from LU presents study at global meet

Times News Network

Lucknow: Lucknow University's geology department research scholar **Abhishek Kumar Madhesiya** presented parts of his doctoral work at the international Hutton symposium, which began in Baveno, Italy, on Sunday.

The symposium will culminate on September 15.

The topic of Abhishek's presentation is 'Role of cr